Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

MAJY-501

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास–01

एम0ए0 ज्योतिष (MAJY-20)

प्रथम सेमेस्टर जून 2022

समयः 2 घण्टा **पूर्णांकः 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। [2 x 20 = 40]

प्र0–1 वैदिककाल में ज्योतिषशास्त्र की स्थिति का वर्णन करें।

प्र0–2 ज्योतिषशास्त्र का वेदाङ्.गत्व सिद्ध करें।

P.T.O.

प्र0–3 ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्त्तकों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

प्र0–4 बहुस्कन्धात्मक ज्योतिषशास्त्र पर एक निबन्ध लिखिए।

प्र0–5 ज्योतिषशास्त्र के इतिहास पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। [4 x 10 = 40]

प्र0–1 ज्योतिषशास्त्र के सिद्धान्त स्कन्ध पर एक टिप्पणी लिखें।

प्र0–2 ज्योतिषशास्त्र के संहितास्कन्ध के विविध ग्रन्थों का परिचय दें।

प्र0–3 ज्योतिषशास्त्र के होरास्कन्धान्तर्गत किन्ही दो आचार्यों का परिचय दें।

प्र0–4 वेदाङ्.ग ज्योतिष पर एक टिप्पणी लिखें।

प्र0–5 ज्योतिषशास्त्र की उत्पत्ति पर एक टिप्पणी लिखें।

P.T.O.

प्र0–6 आधुनिक युग में ज्योतिषशास्त्र की प्रासङ्गिकता प्रतिपादित करें।

प्र0–7 शकुनशास्त्र पर एक टिप्पणी लिखें।

प्र0–8 ताजिकशास्त्र पर एक टिप्पणी लिखें।

———————